

## Assessment for Learning C-9

मूल्यांकन से आप क्या समझते हैं? मापन तथा मूल्यांकन में अंतर स्पष्ट करें।

मूल्यांकन को शारीरिक अथवा मूल्य का अंकन करना है। दूसरे शब्दों में मूल्यांकन मूल्य निर्धारण की एक प्रक्रिया है। मापन की अपेक्षा मूल्यांकन अधिक व्यापक है। मापन के अंतर्गत किली लक्षित अथवा वस्तु के गुणों अथवा विशेषताओं का वर्णन मात्र ही किया जाता है। जबकि मूल्यांकन के अंतर्गत उन लक्षित अथवा वस्तु के गुणों अथवा विशेषताओं की वांछनीयता पर दृष्टिपात किया जाता है। अतः मापन वारन्तव में मूल्यांकन का एक अंग मात्र है।

मूल्यांकन एक ऐसा कार्य अथवा प्रक्रिया है जिसमें मापन से प्राप्त परिणामों की वांछनीयता का निर्णय किया जाता है। मापन वारन्तव में रिशति निर्धारण है, जबकि मूल्यांकन उस रिशति का मूल्यांकन है।

परिभाषा : —

\* "हमान्विक" के अनुसार :-

"मापन योग्यता और कार्य की निश्चित सूचना का संग्रह है जो पृथः परीक्षण द्वारा एकत्र किया जाता है, मूल्यांकन इस मापन की व्याख्या है, व्यक्ति व कार्य के मूल्य का निर्धारण है।"

\* "रेसर्स एवं गेज" के अनुसार :-

"मूल्यांकन के अंदर व्यक्ति या समाज या दोनों की दृष्टि से अच्छा है या बुरा है, के मानक पर पला जाता है।"

\* "स्टफलीषिम और सहयोगी" के अनुसार :-

"मूल्यांकन निर्णय विकल्पों की आलोचना से संबंधित उपयोगी सूचना के वर्णन करने, प्राप्त करने तथा प्रदान करने की प्रक्रिया है।"

\* "टारगेसन और एडमस" के अनुसार :-

"मूल्यांकन का अर्थ है किसी वस्तु या प्रक्रिया का मूल्य निश्चित करना। इस प्रकार शैक्षिक मूल्यांकन से तात्पर्य है - शिक्षण प्रक्रिया द्वारा अधिगम की प्रक्रियाओं से उत्पन्न अनुभवों की उपयोगिता के बारे में निर्णय लेना।"

\* मापन एवं मूल्यांकन में अंतर :-

प्रायः मापन एवं मूल्यांकन को समानार्थक समझ लिया जाता है। शैक्षिक जगत में इन दोनों शब्दों के अर्थ में पर्याप्त अंतर दिखाई देता है। मापन किसी गुण का परिणाम प्राप्त करने की एक प्रक्रिया है जबकि मूल्यांकन परिणाम की मूल्यांकक व्याख्या है। मापन व मूल्यांकन में अंतर निम्न है :-

मापन	मूल्यांकन
i) "ट्रेसफील्ड एवं मॉरडक" के अनुसार मापन की प्रक्रिया में किसी घटना या तथ्य के विभिन्न परिणामों के लिए प्रतीक निश्चित किए जाते हैं।	"ट्रेसफील्ड एवं मॉरडक" के अनुसार मूल्यांकन में उप घटना या तथ्य का मूल्य प्राप्त किया जाता है।
ii) मापन में किसी परीक्षण को लागू करने के पश्चात् अंक के आधार पर अंक प्रदान किए जाते हैं। जैसे - 100 में 70 अंक प्रदान करना।	अंक प्रदान करने के पश्चात् प्राप्त अंक का मूल्य निर्धारण मूल्यांकन कहलाता है।
iii) मापन का क्षेत्र सीमित होता है, इसमें किसी एक गुण या चर परिणाम प्राप्त किया जाता है। जैसे - अभिरूचि का मापन करना।	मूल्यांकन व्यापक होता है। इसमें कई परीक्षणों का समावेश होता है।

ii)

एक गुण का मापन करने से बालक के शैक्षिक स्तर के बारे में विशिष्ट धारणा नहीं बनाई जा सकती।

→ मूल्यांकन में कई परीक्षणों को लागू कर बालक के शैक्षिक स्तर का ठीक ठीक विद्यारण किया जा सकता है।

iii)

मापन के आधार पर शैक्षिक स्तर से अविव्यवाजी नहीं की जा सकती है।

→ मूल्यांकन में शैक्षिक स्तर से अविव्यवाजी की जा सकती है।

iv)

मापन का जीव अयुर्ण होता है।

→ मूल्यांकन का जीव पूर्ण होता है।

v)

मापन मूल्यांकन के पूर्व होता है।

→ मूल्यांकन मापन के पश्चात् होता है।

vi)

मापन के लिए उद्देश्य जानना आवश्यक नहीं है।

→ मूल्यांकन के लिए उद्देश्य का जानना आवश्यक होता है क्योंकि मूल्यांकन का आधार ही उद्देश्य की पूर्ति की अपेक्षाएं हैं।

कोशल के मापन की विभिन्न औजार एवं तकनीकों की विवेचना करें।

ख) कोशल के मापन के विभिन्न औजारों के जानकारी स्वरूप बहुत से मनोवैज्ञानिक के अपने अलग अलग विचार हुए। जिसमें स्टीवेंस के आकलन की चार प्रणालियाँ इस प्रकार हैं।

ii) नामित मापनी (Nominal Scale) :- इस प्रकार की मापनी में हम अंकों का प्रयोग वर्गों को इंगित करने के लिए करते हैं। इसमें एक समूह या वर्ग के शब्दों को प्रायः समूह - 1 और दूसरे समूह को समूह - 2 कहकर पुकारते हैं। यह वर्गीकरण तार्किक रूप से निम्न कोटि का मापन है। जब वर्गों को रेखीय मापनी पर क्रमबद्ध किया जाता है। तब हम पूर्ण मापन की ओर अग्रसर होते हैं।

क्रमिक मापनी (Ordinal Scale) :- क्रमिक मापनी में श्रेणी क्रम की विशेषताओं को अंक दिए जाते हैं। इनका तार्किक आधार 4 और 5 वें अनुपुत्रम में पाया जा सकता है। किसी एक पक्ष के शब्दों में होती हैं। जैसे - इकाई, गमी, तीव्रता या शक्तिवक श्रमता।

शुनीबद्ध कर सकते हैं। जाई रख ही शूनी में  
हा सकते हैं। पर शिक्षा की दृष्ट से विपरीत  
शुनीबद्ध में हा सकते हैं।

## अन्तराल मापनी :- (Interval Scale)

मापनी में दो वस्तुओं में वही दूरी रहनी है,  
जो कि बौद्धिक स्तर पर होती है। इन दूरियों  
को अंकों के माध्यम से दर्शाया जाता है।

उदाहरण - यदि दो वस्तुओं का 5 और 10 अंकों  
की दूरी है तो 15 और 20 अंकों के बीच भी  
वही समान दूरी होगी। हम इस प्रकार भी  
कह सकते हैं कि A से B की दूरी B से C  
की दूरी के बराबर होगी।

## आनुपातिक मापनी (Ratio scale) :- जब किसी

मान में अंतराल मापनी के सभी गुण  
विद्यमान हों और साथ ही जिराम आधार  
स्वरूप कोई वारन्ताविक शून्य बिंदु हो तो इसे  
आनुपातिक मापनी कहें। एक आनुपातिक मापनी  
में किसी दो वस्तुओं के बीच का अनुपात  
मापन की इकाई पर निर्भर नहीं रहता।

उदाहरण के लिए - लम्बाई जितका मापन  
फुट इंच या किसी अन्य इकाई में होता है।